विषय–संगीत(वादन)

कक्षा–10

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होगा। पूर्णांक 100

खण्ड (क)

शास्त्रीय शब्दों की परिभाषा एवं व्याख्या-- **30**

सप्तक (मन्द्र, मध्य एवं तार) का विस्तृत अध्ययन, मुर्की, विवादी, वर्ण,घसीट, झाला, पेशकारा, टुकड़ा,तिहाई, भातखण्डे एवं विष्णु दिगम्बर संगीत पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन थाटों का वर्गीकरण और उनसे रागों की उत्पत्ति।

खण्ड (ख) **40**

1-स्वर विस्तार और अलंकारों के माध्यम से रागों की बढ़त।

3-स्वर समूह के छोटे-छोटे टुकड़ों के आधार पर रागों को पहचानने और बढ़त करने की योग्यता।

4-संगीत सम्बन्धी सामान्य विषयों पर छोटा निबन्ध, तानसेन एवं विष्णु दिगम्बर की जीवनी।

तबला एवं पखावज--

1-तीनताल, चारताल में से प्रत्येक में एक पेशकारा, 2 कायदा, 2 टुकड़े और दो तिहाई लिखने एवं बजाने की योग्यता। चार ताल में दो टुकड़े एवं एक परन लिखने और बजाने की योग्यता।

2-कहरवा, तीव्रा

अन्य वाद्य

1-राग बिहाग में प्रत्येक में एक मसीतखानी गत तथा एक रजाखानी गत आवश्यक है।

2-देश, काफी रागों में कलात्मक विकास के बिना एक गत। इन रागों में आरोह-अवरोह एवं पकड़ लिखने की योग्यता।

3-कहरवा, तीनताल और एकताल से भी परिचित होना चाहिए।

4-अपने वाद्य में बजाने वाले वर्ण एवं बोलों को निकालने की विधि।

नोट :--उपर्युक्त निर्धारित रागों एवं तालों की आन्तरिक प्रयोगात्मक परीक्षा होगी जिसके लिए 15 अंक निर्धारित किये गये हैं तथा 15 अंक प्रोजेक्ट कार्य के लिए है। इनका मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा।

प्रोजेक्ट वर्क

PROJECT WORK

नोट :--निम्नलिखित में से छात्रों से प्रोजेक्ट तैयार करायें। अध्यापक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट भी दे सकते हैं।

1-हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के प्रसिद्ध संगीतज्ञों के चित्र एकत्रित कर अपनी अभ्यास पुस्तिका में लगाइए तथा संक्षिप्त परिचय दीजिए।

2-अपने वाद्य की उत्पत्ति व विकास को सचित्र वर्णित कीजिए।

3-स्व वाद्य के वर्णों की निकास विधि को समझाइए।

4-रेडियो एवं टी0वी0 द्वारा प्रसारित होने वाले कुछ संगीत कार्यक्रमों को सुनकर उनकी सूची बनाइए व उनके बारे में संक्षेप में लिखिए।

5-उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत के "भारतरत्न" पुरस्कार प्राप्त किसी एक संगीतज्ञ का चार्ट बनाइए।

6-वाद्य के समस्त प्रकारों (तत्, सुषिर, अवनद्ध, घन) के कुछ चित्र एकत्रित कर अपनी अभ्यास पुस्तिका में चिपकाइए तथा उन्हें बजाने वाले सम्बन्धित कलाकार का नाम भी लिखिए।

7-रागों के समय निर्धारण को एक चार्ट द्वारा प्रदर्शित कीजिए।

8-हिन्दुस्तानी संगीत के 10 थाटों के नाम एवं उनके स्वरों को चार्ट द्वारा प्रदर्शित कीजिए तथा उनसे उत्पन्न कुछ रागों के नाम लिखिए।

9-संगीत शिक्षा प्रदान करने वाली प्रमुख संस्थाओं के नाम लिखकर संक्षिप्त परिचय दीजिए।

10-सितार अथवा तबला की मुख्य परम्परा/घराना विषय को चार्ट में प्रदर्शित कीजिए।

11-किसी संगीत समारोह का आँखों देखा वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

12-किसी प्रसिद्ध संगीतज्ञ के सांगीतिक योगदान को विस्तारतः समझाइए।

<u>शैक्षिक सत्र 2022–23 हेतु आन्तरिक मूल्यांकन निम्नवत् कराये जाने की संस्तुति की जाती है:–</u>

1–प्रथम आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा– (प्रोजेक्ट तथा परीक्षा) **अगस्त माह** **10 अंक**

2–द्वितीय आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा–(प्रोजेक्ट तथा परीक्षा) **दिसम्बर माह** **10 अंक**

3–चार मासिक परीक्षाएं **10 अंक**

- प्रथम मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक परीक्षा के आधार पर) जुलाई माह
- द्वितीय मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर) अगस्त माह
- तृतीय मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक परीक्षा के आधार पर) नवम्बर माह
- चतुर्थ मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर) दिसम्बर माह

चारों मासिक परीक्षाओं के प्राप्तांकों के योग को 10 अंकों में परिवर्तित किया जाय।

30 प्रतिशत कम किया गया पाठ्यक्रम –

खण्ड (क)

शास्त्रीय शब्दों की परिभाषा एवं व्याख्या-- कण, वक्रस्वर, मींड जोड़, परन, रेला, सम,

खण्ड (ख)

1-वादन पाठ्यक्रम में रागों की विशेषतायें

2-तालों के टुकड़े, परन आदि लिखने की योग्यता एवं सरल स्वर विस्तार एवं तोड़ों के साथ गत को स्वर लिपिबद्ध करके लिखना।

तबला एवं पखावज-- 1-एकताल

2- दीपचन्दी तालों का साधारण ठेका।

अन्य वाद्य

1- भैरवी में प्रत्येक में एक मसीतखानी गत तथा एक रजाखानी गत आवश्यक है।

2- बागेश्री

3- चारताल से भी परिचित होना चाहिए।

5-प्रचलित वाद्य और उनकी विशेषताओं का ज्ञान।